आर.एन.आई. पंजीयन क्र. 39596/82 (डाक पंजीयन MP/IDC/1462/2016-2019)

साप्ताहिक

मालव अँचल

वर्ष 47 अंक 51 (प्रति रविवार) इंदौर, 08 सितम्बर से 14 सितम्बर 2024 पृष्ठ-8 मूल्य 3 रुपये

पाकिस्तान पीओके के निवासियों को विदेशी मानता है-राजनाथ

जम्मू (एजेंसी)। रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने रविवार को रामबन जिले के बनिहाल सीट से भाजपा उम्मीदवार मोहम्मद सलीम भट के समर्थन में एक चुनावी रैली को संबोधित किया। इस दौरान रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने सिंह ने कहा कि अगर पाकिस्तान जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद बंद कर दे तो भारत उसके साथ बातचीत शुरू करने के लिए तैयार हैं। जम्मू-कश्मीर को विशेष दर्जा देने वाले अनुच्छेद 370 को लोगों की परेशानी दूर करने और क्षेत्र को समृद्ध बनाने के लिए हटाया गया है। उन्होंने कहा, पाकिस्तान एक काम करे कि आतंकवाद का समर्थन करना बंद कर दे। कौन पड़ोसी देशों के साथ संबंध सुधारना नहीं चाहेगा? क्योंकि मैं इस हकीकत को जानता हूं कि आप दोस्त तो बदल सकते हैं, लेकिन पड़ोसी नहीं। हम पाकिस्तान के साथ बेहतर संबंध चाहते हैं, लेकिन सबसे पहले उन्हें आतंकवाद बंद करना चाहिए। रक्षा मंत्री ने कहा कि जब पाकिस्तान जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद को प्रायोजित करना बंद कर देगा तो भारत उसके साथ बातचीत शुरू कर देगा।

पाकिस्तान पीओके के निवासियों को मानता विदेशी-उन्होंने कहा, मैं पीओके के निवासियों को

बताना चाहता हूं कि पाकिस्तान आपको विदेशी मानता है, लेकिन भारत के लोग आपको ऐसा नहीं मानते। हम आपको अपना मानते हैं और इसलिए आइए और हमारे साथ जुड़िए। भाजपा के स्टार प्रचारक के रूप में रक्षा मंत्री का दौरा गृह मंत्री अमित शाह के दो दिवसीय दौरे के एक दिन बाद हुआ है, जिसके दौरान उन्होंने पार्टी का घोषणापत्र जारी किया, पार्टी के वरिष्ठ नेताओं के साथ कई बैठकें कीं और पार्टी कार्यकर्ताओं की एक रैली को भी संबोधित किया।

आतंकवाद की भेंट चढ़ने वालों में 85 प्रतिशत मुसलमान-राजनाथ सिंह ने कहा, जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद की भेंट चढ़ने वालों में 85 प्रतिशत मुसलमान थे। कश्मीर में आतंकवादी घटनाएं आम बात थी। क्या आतंकवादी घटनाओं में हिंदू मारे जा रहे थे? मैं गृह मंत्री रह चुका हूं और मुझे पता है कि आतंकवादी घटनाओं में सबसे ज्यादा मुसलमानों की जान गई है। इससे पहले रक्षा मंत्री ने पार्टी उम्मीदवार राकेश सिंह ठाकुर के समर्थन में रामबन में चुनावी रैली को संबोधित किया और कहा कि जम्मू-कश्मीर में आतंकवादी घटनाओं में 40,000 से ज्यादा लोगों की जान गई है।

पीओके वासियों भारत में शामिल हो जाओ-रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) के निवासियों से भारत में शामिल होने के लिए कहा। उन्होंने कहा, हम आपको अपना मानते हैं, जबकि पाकिस्तान आपको विदेशी मानता है। भाजपा उम्मीदवार राकेश सिंह ठाकुर के समर्थन में रामबन विधानसभा क्षेत्र में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए केंद्रीय मंत्री ने कहा कि अगस्त 2019 में अनुच्छेद 370 को हटाए जाने के बाद से जम्मू-कश्मीर में समग्र सुरक्षा स्थिति में व्यापक बदलाव आया है।

370 को बहाल करना असंभव-वरिष्ठ भाजपा नेता ने अनुच्छेद 370 को बहाल करने के चुनावी वादे को लेकर नेशनल कांफ्रेंस-कांग्रेस गठबंधन पर तीखा हमला बोला और कहा कि जब तक भाजपा है, यह असंभव है। उन्होंने कहा कि अगस्त 2019 से जम्मू-कश्मीर में समग्र सुरक्षा स्थिति में देखे गए बड़े बदलाव का मतलब है कि अब युवा पिस्तौल और रिवॉल्वर के बजाय अपने हाथों में लैपटॉप और कंप्यूटर लेकर चलते हैं। उन्होंने कहा कि अब कोई भी श्रीनगर में लोगों पर गोलियां चलाने की हिम्मत नहीं करता।

बड़े पैमाने पर होगा विकास-रक्षामंत्री ने कहा, जम्मू-कश्मीर में अगली सरकार बनाने के लिए भाजपा का समर्थन करें, ताकि हम इस क्षेत्र में बड़े पैमाने पर विकास कर सकें। इतना विकास होगा कि पीओके के लोग इसे देखकर कहेंगे कि हम पाकिस्तान के साथ नहीं रहना चाहते और इसके बजाय भारत चले जाएंगे। उन्होंने कहा कि हाल ही में पड़ोसी देश में पाकिस्तान के अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल ने एक हलफनामा दायर किया है जिसमें कहा गया है कि पीओके एक विदेशी भूमि है।

पांच सीटों पर चुनाव लड़ेगी आम आदमी पार्टी : कांग्रेस के साथ बनी सहमति

नई दिल्ली। कांग्रेस और आम आदमी पार्टी (आप) ने हरियाणा में पांच अक्टूबर को होने वाले विधानसभा चुनाव के लिए सीट बंटवारे को अंतिम रूप दे दिया है। आप पांच सीटों पर चुनाव लड़ने पर सहमत हो गई है। पार्टी सूत्रों ने रविवार को यह जानकारी दी। आम आदमी पार्टी के सूत्रों ने बताया कि गठबंधन सोमवार को हो सकता है।

आप के एक सूत्र ने बताया, कांग्रेस नेता दीपक बाबरिया और आप नेता राघव चड्ढा के बीच बातचीत सकारात्मक दिशा में आगे बढ़ रही है। संभावना है कि कल तक गठबंधन को अंतिम रूप दे दिया जाएगा। आप ने राज्य में पांच सीटों पर चुनाव लड़ने पर सहमति जताई है। इससे पहले, आप के राज्यसभा सदस्य राघव चड्ढा ने कहा कि कांग्रेस और उनकी पार्टी दोनों अपनी व्यक्तिगत आकांक्षाओं को अलग रखकर हरियाणा चुनावों के लिए गठबंधन करने की कोशिश कर रहे हैं। राघव चड्ढा ने कहा कि दोनों दलों के बीच गठबंधन पर आम सहमति नहीं बन पाई है, लेकिन बातचीत सकारात्मक दिशा में आगे बढ़ रही है और उन्हें अच्छे नतीजे की उम्मीद है। उन्होंने यह भी कहा कि अगर दोनों पक्षों के लिए फायदेमंद स्थिति नहीं बनती है तो आम आदमी पार्टी गठबंधन के वास्ते आगे नहीं बढ़ेगी। चड्ढा ने कहा, बातचीत सकारात्मक माहौल में हो रही है। दोनों दल अपनी और उम्मीदवार की आकांक्षाओं को अलग रखकर एकजुटता और हरियाणा के लोगों की मांगों को प्राथमिकता देते हुए साथ मिलकर चुनाव लड़ने की दिशा में काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा, सीट बंटवारे को लेकर हर ब्योरे पर टिप्पणी नहीं की जा सकती। दोनों ही दलों की गठबंधन करने की इच्छा है और ऐसा होने की उम्मीद है।

हरियाणा में 90 सदस्यीय विधानसभा के लिए मतदान पांच अक्टूबर को होगा। नामांकन दाखिल करने की अंतिम तिथि 12 सितंबर है। मतगणना आठ अक्टूबर को होगी। सूत्रों के अनुसार, आप जहां 10 सीट की मांग कर रही है, वहीं कांग्रेस उसे सिर्फ सात सीट देने को तैयार है। हालांकि, चड्डा ने सीट बंटवारे के बारे में अब तक हुई कोई भी जानकारी देने से इनकार कर दिया। उन्होंने कहा, हम नामांकन की अंतिम तिथि 12 सितंबर से पहले ही निर्णय ले लेंगे। यदि कोई फायदेमंद स्थिति नहीं बनती है, तो हम इसे छोड़ देंगे। वार्ता चल रही है, अच्छी चर्चा हो रही है, मुझे उम्मीद है कि इसका कोई अच्छा निष्कर्ष निकलेगा।

पश्चिमी महाराष्ट्र में राहुल गाँधी की यात्रा से कांग्रेस को मिली एक नई ऊर्जा

मुंबई, (एजेंसी)। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने महाराष्ट्र के सांगली जिले का दौरा किया। इसके बाद एक तरह से आगामी विधानसभा चुनाव अभियान का नारियल फोड़ दिया गया, जिसकी प्रतिक्रिया सोशल मीडिया पर व्यक्त की गयी। हालांकि इस दौरे में शिवसेना (ठाकरे) के अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे, कुछ अन्य नेता अनुपस्थित रहे। लेकिन महाविकास अघाड़ी के बाकी दल के नेता मंच पर थे। राहुल गांधी ने देश की राजनीतिक और सामाजिक स्थिति को जिस प्रकार से स्पष्ट किया उससे सत्तारूढ़ दल में बेचैनी छा गई है। उन्होंने मोदी सरकार की आलोचना करते हुए कहा, पहले आप गलती करें और फिर माफी मांगने का समय आ जाए। राहुल गांधी ने कहा कि महाराष्ट्र के डीएनए में कांग्रेस है, जिससे कांग्रेस और कार्यकर्ताओं को ताकत मिलेगी। आपको बता दें कि लोकसभा चुनाव के दौरान सांगली निर्वाचन क्षेत्र पूरे राज्य में मशहूर हो गया था। कांग्रेस का गढ़ रहे इस जिले में एक बार फिर कांग्रेस का सांसद बना। अब जब विधानसभा की बयार चल रही है, तो ऐसे संकेत मिल रहे हैं कि सांगली का चुनाव फिर से लोकसभा की तरह दिलचस्प होगा। लोकसभा चुनाव के दौरान यहां कांग्रेस एकजुट होकर लड़ी और जीत हासिल की।

बीजेपी ने बृजभूषण शरण सिंह को पहलवानों पर टिप्पणी करने से रोका

नई दिल्ली (एजेंसी)। बीजेपी ने भारतीय कुश्ती महासंघ के पूर्व प्रमुख बृजभूषण शरण सिंह से पहलवानों पर टिप्पणी करके कोई विवाद पैदा नहीं करने को कहा है। पूर्व बीजेपी सांसद पर विनेश फोगाट और साक्षी मलिक सहित देश के कुछ टॉप एथलीटों ने यौन उत्पीड़न के आरोप लगाए थे। हरियाणा में विधानसभा चुनाव से पहले पहलवान विनेश फोगाट और बजरंग पुनिया के कांग्रेस पार्टी में शामिल होने की ओर इशारा करते हुए बृजभूषण शरण सिंह ने आरोप लगाया कि उनके खिलाफ लगाए गए आरोप कांग्रेस द्वारा रची गई साजिश है। बृजभूषण शरण सिंह ने कहा था कि बजरंग पुनिया और विनेश फोगाट चेहरे - मोहरे थे। उन्हें भूपिंदर हुड्डा, कांग्रेस और कांग्रेस परिवार ने मोहरों की तरह इस्तेमाल किया। सूत्रों ने बताया कि बृजभूषण शरण सिंह की ताजा टिप्पणियों के बाद बीजेपी ने उनसे पहलवानों के खिलाफ कोई और टिप्पणी नहीं करने के लिए कहा है। हरियाणा से बड़ी संख्या में खिलाड़ी राष्ट्रीय टीमों में पहुंचते हैं। राज्य में एथलीटों के पास बड़ी संख्या में वफादार अनुयायी हैं। इसी वजह से बीजेपी ने अपने पूर्व सांसद को चुप रहने की चेतावनी दे दी है। सूत्रों ने बताया कि बीजेपी पहलवानों के विरोध प्रदर्शन से जुड़ा कोई नया किस्सा नहीं देखना चाहती। उनके विरोध प्रदर्शन को हरियाणा में काफी समर्थन मिला था।

संपादकीय

जीवन से पलायन का डरावना सत्य है आत्महत्या

आत्महत्या दुनियाभर में एक गंभीर मुद्दा एवं बड़ी समस्या है। मौजूदा समय में दुनिया भर में इसके मामले खतरनाक दर से बढ़ रहे हैं। ऐसे में इस गंभीर विषय के प्रति लोगों को जागरूक करने एवं आत्महत्या का पलायनवादी विचार छोड़ने के उद्देश्य से हर साल 10 सितंबर को विश्व आत्महत्या रोकथाम दिवस (डब्ल्यूएसपीडी) मनाया जाता है। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने साल 2024 के लिए इस दिवस की थीम 'चेंजिंग द नैरेटिव ऑन सुसाइड यानी 'आत्महत्या पर कथ्य बदलना' रखी गयी है। इस दिन को मनाने का खास मकसद इस बात को लोगों तक पहुंचाना है कि आत्महत्याओं को रोका जा सकता है। साथ ही उन्हें यह भी बताना है कि आत्महत्या के अलावा जीवन में और भी बेहतर विकल्प हैं। इसके अलावा एक ऐसी समाज-व्यवस्था को बढ़ावा देना है जहां लोग मदद लेने में हिचहिचाए नहीं, बल्कि एक-दूसरे के सहयोग के लिये आगे आये। निश्चित रूप से खुदकुशी सबसे तकलीफदेह हालात के सामने हार जाने का नतीजा होती है और ऐसा फैसला करने वालों के भीतर वंचना का अहसास, उससे उपजे तनाव, दबाव और दुख का अंदाजा लगा पाना दूसरों के लिए मुमकिन नहीं है। आत्महत्या शब्द जीवन से पलायन का डरावना सत्य है जो दिल को दहलाता है, डराता है, खौफ पैदा करता है, दर्द देता है।विश्व स्वास्थ्य संगठन का अनुमान है कि दुनिया भर में हर साल आठ लाख लोग आत्महत्या करते हैं, इससे कई गुना अधिक लोग आत्महत्या की कोशिश करते हैं और इसका असर बहुत ज्यादा लोगों पर पड़ रहा है। इसके अलावा, यह 15 और 29 वर्ष की आयु के लोगों की मृत्यु का चौथा सबसे बड़ा कारण है। संयुक्त राज्य अमेरिका में मृत्यु के शीर्ष 10 प्रमुख कारणों में से एक आत्महत्या है, जहां हर 11 मिनट में एक व्यक्ति आत्महत्या करता है। भारत में प्रतिवर्ष 135,000 लोग आत्महत्या करते हैं, जो दुनिया की कुल आत्महत्याओं का 17 प्रतिशत हैं। आत्महत्या करने के पीछे कई कारण हो सकते हैं, जैसे बुढ़ापा, दीर्घकालिक बीमारियाँ, वित्तीय समस्याएँ, आत्महत्या का पारिवारिक इतिहास, आय में कमी, वैवाहिक अलगाव, नकारात्मक जीवन के अनुभव, विकलांगता की ओर ले जाने वाली शारीरिक बीमारी आदि। इसके अलावा, कई मानसिक स्वास्थ्य समस्याएँ आत्महत्या के बढ़ते जोखिम से जुड़ी हुई हैं, जैसे शराब की लत, अवसाद, तनाव, विकार आदि। लोग अवसाद, लाचारी और जीवन में कुछ नहीं कर पाने की हताशा के चलते भी आत्महत्या करते हैं। मौजूदा समय में दुनिया भर में आत्महत्या के मामले खतरनाक दर से बढ़ रहे हैं। आत्महत्यामुक्त समाज-संरचना के लिए लंबे समय से कई तरह की कोशिशें की जा रही हैं। आत्महत्या एक गंभीर मुद्दा है, जो पूरी दुनिया के लिए चिंता का विषय बना हुआ है। आत्महत्या एक वैश्विक चुनौती है, जिससे हर साल लाखों लोग प्रभावित होते हैं। इस दिवस के माध्यम से सरकारों, संगठनों, समुदायों और व्यक्तिगत स्तर पर लोगों को आत्महत्या रोकने के लिए कदम उठाने की प्रेरणा दी जाती है। भारतीय संदर्भ में आत्महत्या एक महत्वपूर्ण मुद्दा है। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो के अनुसार, वर्ष 2021 में आत्महत्या करने वाली महिलाओं में गृहिणियों का अनुपात 51.5 प्रतिशत था। इस संदर्भ में केरल, तमिलनाडु, तेलंगाना और कर्नाटक सूची में शीर्ष पर हैं। आत्महत्या की कुल घटनाओं में लगभग 15 प्रतिशत गृहिणियों से संबंधित हैं, जो इस समस्या की गंभीरता को रेखांकित करती है। पिछले दो दशकों में, आत्महत्या की दर 7.9 से बढ़कर 10.3 प्रति 100,000 हो गई है। 2021 की रिपोर्ट पर गौर करें तो उत्तराखंड में एक वर्ष में 717 लोगों ने आत्महत्या की। इसमें 463 महिलाएं हैं और इसका सबसे बड़ा कारण पारिवारिक समस्या है। ऐसे में मनोविज्ञानियों की सलाह है कि परिवार में सामंजस्य बनाकर ही खुशहाल जिंदगी जीना संभव है। इसके लिए जागरूकता की जरूरत है जिससे की सकारात्मक सोच के साथ संघर्ष करने की सामर्थ्य पैदा हो सके। युवा वर्ग की महत्वाकांक्षा अपनी योग्यता व क्षमता से अधिक हो चुकी है। परिवार पर नियंत्रण नहीं है और न ही सामंजस्य रह गया है। तनाव सहने की क्षमता नहीं है। असफलता का डर और पारिवारिक समस्याएं व्यक्ति को पूरी तरह प्रभावित कर रही है, जिसकी वजह आत्महत्याएं हो रही हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार, 36 प्रतिशत लोग गंभीर अवसाद से ग्रस्त हैं इसलिए हमें सबसे पहले अवसाद को दूर करना होगा। आर्थिक संपन्नता के साथ ही मानसिक रूप से स्वस्थ होने पर जोर देना होगा। वहीं जिस तरह किशोरों में पढ़ाई के दबाव से आत्महत्या के मामले बढ़ गए हैं। इसे लेकर भी अभिभावकों से लेकर समाज को नए सिरे विचार करना होगा।

जम्मू-कश्मीर पर रक्षामंत्री का दूरगामी सन्देश

ललित गर्ग

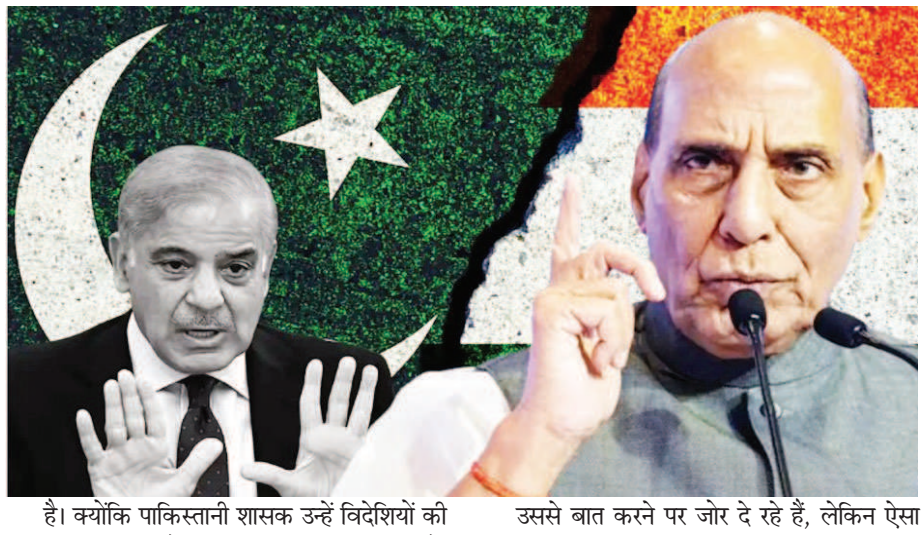

जम्मू-कश्मीर में चुनाव प्रचार को एक नई करवट देते हुए रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ऐसी बातें कहीं है जो घाटी के लोगों के दिलों को छूने वाली होने के साथ प्रांत में नई उम्मीदों के नये दौर का आगाज है एवं गुलाम कश्मीर के लोगों के प्रति सहानुभूति एवं आत्मीयता दर्शाने वाली है। एक दिन पहले करगिल युद्ध को लेकर पाकिस्तान के आर्मी चीफ जनरल आसिम मुनीर ने वो बात कुबूल कर ली, जो अब तक सारे पाकिस्तानी जनरल पूरी दुनिया से छिपाते रहे। आसिम मुनीर ने साफ-साफ कहा कि कारगिल जंग में पाकिस्तानी सेना का हाथ था। उनके सैनिकों ने शहादत दी है। इसके अगले ही दिन रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह का जम्मू-कश्मीर की धरती से ये ऐलान कि अगर पाकिस्तान आतंक छोड़ दे तो उसके साथ बातचीत हो सकती है। यह बयान बहुत कुछ कहता है एवं इसके कई दूरगामी राजनीतिक दृष्टिकोण है। पाकिस्तान समझ चुका है कि कश्मीर में अब उसका कुछ नहीं बचा। रही सही कसर, जम्मू-कश्मीर में हो रहे चुनावों में लोगों की जोरदार भागीदारी ने पूरी कर दी। उसकी सारी उम्मीदों पर पानी फिरता दिख रहा है, ऐसे में वह हकीकत स्वीकार करता नजर आ रहा है। रक्षामंत्री की कही बातों में पाकिस्तान सरकार को सीधा सन्देश दिया गया है। निश्चित ही राजनाथ सिंह के बयान एक अनुभवी एवं कद्दावर नेता के रणनीतिक एवं दूरगामी सोच से जुड़े बयान है, जिनकी प्रतिक्रिया दोनों ही देशों में होने के साथ ही चुनाव में हिस्सेदारी कर रहे राजनीतिक दलों में सुगबुगाहट का बड़ा कारण बना है।

कश्मीर में विकास, पर्यटन में भारी वृद्धि, शांति एवं सौहार्द का वातावरण बनना गुलाम कश्मीर के लोगों को प्रेरित कर रही हैं कि उन्हें भी इस ओर आजाद फिजा में सांस लेने का मौका मिले। ऐसे में रक्षामंत्री ने उन्हें भारत का हिस्सा बनने का निमंत्रण देकर पड़ौसी देश की दुखती रग को छेड़ दिया है एवं पाकिस्तान की नींद उड़ा दी है, बल्कि गुलाम कश्मीर के लोगों में भी नया विश्वास एवं मनोबल जगा दिया है। रक्षामंत्री का यह निमंत्रण बहुत मायने रखता है, इससे पहले गृहमंत्री अमित शाह ने भी कहा था कि गुलाम कश्मीर हमारा है एवं हम इसे लेकर रहेंगे। गुलाम कश्मीर के लोग भारत से मिलने के लिये उत्सुक है, आन्दोलनरत है। क्योंकि पाकिस्तानी शासक उन्हें विदेशियों की तरह देखते हैं। यह एक सच्चाई भी है। पाकिस्तान अपने कब्जे वाले कश्मीर के लोगों का जैसा दमन और शोषण कर रहा है, उसके कई प्रमाण सामने आ चुके हैं। इसी दमन और शोषण के चलते जब-तब वहां पाकिस्तान के खिलाफ सड़कों पर उतरकर लोग भारत जाने की अनुमति भी मांगते रहते हैं। गुलाम कश्मीर में आंदोलन का नेतृत्व कर रहे लोगों को मारा जा रहा है। वहां के लोग यह अच्छी तरह देख रहे हैं कि भारतीय भूभाग में किस तरह तेजी से विकास हो रहा है और उन्हें किस तरह पाकिस्तान की ओर से ठगा जाता रहा है। कहना कठिन है कि रक्षा मंत्री के बयान पर पाकिस्तान क्या कहता है, लेकिन इसके आसार कम ही हैं कि वह आतंकवाद को सहयोग-समर्थन देने से बाज आएगा। पाकिस्तान की दमनकारी नीतियों के खिलाफ आंदोलन कर रहे इस चुनाव पर सिर्फ भारतीयों नहीं, पूरी दुनिया की नजर है। विधानसभा चुनाव की सरगर्मियों के बीच राजनाथ सिंह ने कहा कि हम गुलाम कश्मीर पर अपना दावा कभी नही छोड़ेंगे। वैसे भी गुलाम कश्मीर के लोग हमारे ही लोग है, उन्हें पाकिस्तान ने कभी अपना माना ही नहीं है। राजनाथ सिंह का गुलाम कश्मीर के लोगों को संदेश पाकिस्तान के ताबूत में आखिरी कील की तरह है।

रक्षा मंत्री ने अपने वक्तव्य के जरिये चुनाव के परिदृश्यों को एक नया मोड़ दिया है। उन्होंने नेशनल कॉन्फ्रेंस, पीडीपी और कांग्रेस को भी निशाने पर लिया। उनके लिए ऐसा करना इसलिए आवश्यक हो गया था, क्योंकि नेशनल कॉन्फ्रेंस और पीडीपी के नेता पाकिस्तानपरस्ती का परिचय देते हुए उससे बात करने पर जोर दे रहे हैं, लेकिन ऐसा करते हुए वे यह रेखांकित नहीं करते कि वार्ता के लिए उसे आतंकवाद पर लगाम लगानी होगी। नेशनल कॉन्फ्रेंस और पीडीपी कश्मीर के लोगों को अनुच्छेद-370 की वापसी का भी सपना दिखा रहे हैं। यह दिवास्वप्न के अलावा और कुछ नहीं, क्योंकि अब इस विभाजनकारी और अलगाववाद को बढ़ावा देने वाले अनुच्छेद की वापसी संभव नहीं और इसीलिए रामबन में राजनाथ सिंह ने कहा, भाजपा ने डंके की चोट पर अनुच्छेद 370 हटाकर जम्मू-कश्मीर में शांति और समृद्धि का रास्ता बनाया है। किसी माई के लाल में हिम्मत नहीं कि वह इस अनुच्छेद को वापस ला सके। ऐसा कहते हुए उन्होंने कांग्रेस को भी निशाने पर लिया, जो कि नेशनल कॉन्फ्रेंस के साथ मिलकर चुनाव लड़ रही है और अनुच्छेद-370 की वापसी के उसके वादे पर मौन धारण किए हुए है। पाकिस्तान एवं घाटी के विभिन्न राजनीतिक दल बार-बार अनुच्छेद 370 का जिक्र कर दुनिया के सामने यह गीत गाते रहे हैं कि 370 हटने से कश्मीर के लोग नाराज हैं। इस झूठ को खुलासा स्वयं कश्मीर की जनता ने लोकसभा चुनाव में वोटिंग के जरिये किया है।

घाटी में चुनाव में हिस्सेदारी कर रहे हैं राजनीतिक दल पाकिस्तानी राग अलापते रहे हैं। उमर अब्दुल्ला इस वक्त अफ़ज़ल को दी गयी फांसी के विवाद में घिर चुके हैं। उन्होंने कह दिया कि अफ़ज़ल को फाँसी देना गलत था। चूँकि अफ़ज़ल संसद पर हमले का ज़िम्मेदार था, उसकी तरफदारी करके नेशनल कान्फ्रेंस स्पष्ट रूप से जता रही है कि वह आतंकवादियों से मिली हुई है या उनकी तरफदारी कर रही है और कांग्रेस उसकी साथी है। इन स्थितियों में कांग्रेस को यह स्पष्ट करना चाहिए कि क्या वह नेशनल कॉन्फ्रेंस के घोषणापत्र में किए गए वादों से सहमत है? उसे यह भी स्पष्ट करना चाहिए कि क्या वह उमर अब्दुल्ला के इस आकलन से सहमत है कि संसद पर हमले की साजिश रचने वाले अफजल गुरु को फांसी की सजा देने से कुछ हासिल नहीं हुआ? यह अलगाववाद और आतंकवाद के दौर की वापसी के समर्थकों की हमदर्दी हासिल करने वाला ही बयान है और इसीलिए राजनाथ सिंह ने उन पर कटाक्ष किया कि अफजल को फांसी न दी जाती तो क्या उसके गले में हार डाले जाते। यह विडंबना ही है कि कांग्रेस उमर अब्दुल्ला के इस बयान पर भी चुप्पी साधे है, जबकि उसे फांसी की सजा मनमोहन सिंह सरकार के समय ही दी गई थी। ऐसे में कश्मीर के लोगों को तय करना होगा कि वे देश प्रेमियों के साथ हैं या देशद्रोहियों के साथ? बहरहाल, धारा 370 हटने के बाद यहाँ पहली बार हुए लोकसभा चुनाव में पचास प्रतिशत से ऊपर मतदान हुआ था जो अच्छा संकेत है। वर्ना इससे पहले तो तीस प्रतिशत मतदान को भी अच्छा समझा जाता रहा।

जम्मू एवं कश्मीर के चुनाव अनेक दृष्टियों से न केवल राजनीतिक दशा-दिशा स्पष्ट करेंगे बल्कि बल्कि राज्य के उद्योग, पर्यटन, रोजगार, व्यापार, रक्षा, शांति आदि नीतियों तथा राज्य की पूरी जीवन शैली व भाईचारे की संस्कृति को प्रभावित करेगा। वैसे तो हर चुनाव में वर्ग, जाति, सम्प्रदाय का आधार रहता है, पर इस बार वर्ग, जाति, धर्म, सम्प्रदाय व क्षेत्रीयता के साथ गुलाम कश्मीर एवं अनुच्छेद 370 के मुद्दे व्यापक रूप से उभर कर सामने आयेंगे। इन चुनावों में मतदाता जहां ज्यादा जागरूक दिखाई दे रहा है, वहीं राजनीतिज्ञ भी ज्यादा समझदार एवं चतुर बने हुए दिख रहे हैं। उन्होंने जिस प्रकार चुनावी शतरंज पर काले-सफेद मोहरें रखे हैं, उससे मतदाता भी उलझा हुआ है। अपने हित की पात्रता नहीं मिल रही है। कौन ले जाएगा राज्य की एक करोड पच्चीस लाख जनता को लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं में विकास एवं शांति की दिशा में। इन स्थितियों में रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने कश्मीर की जनता को जागरूक किया है एवं मतदान के प्रति सतर्क होने के साथ अपना मतदान विवेक से करने का वातावरण निर्मित किया है।

इंदौर के विकास को लेकर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में हुई बैठक में लिए गए अनेक महत्वपूर्ण निर्णय

प्रस्तावित मेट्रोपॉलिटन क्षेत्र एवं रीजनल डेवलपमेंट एरिया के चहुमुखी विकास के लिए बनेगी कार्ययोजना

नगर निगम सीमा में शामिल 29 गांवों के विकास के लिए विशेष कार्ययोजना एक माह में होगी तैयार

एलिवेटेड ब्रिज के बजाय अब बनेंगे 6 ओवर ब्रिज, पुरानी बस्तियां के निराकृत होंगे भू स्वामित्व के मामले, नक्शे भी होंगे पास

इन्दौर। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि इंदौर तेजी से बढ़ता हुआ शहर है। इस शहर में विकास की अपार संभावनायें है। मध्यप्रदेश राज्य और इंदौर शहर देश के मध्य भाग में स्थित है। इसको दृष्टिगत रखते हुए यहां का विकास सुनियोजित रूप से किए जाने की आवश्यकता है। अगर इंदौर शहर और मध्यप्रदेश का सुनियोजित विकास होगा तो इसका लाभ अन्य राज्यों को भी मिलेगा। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में आज यहां संपन्न हुई इंदौर शहर के विकास संबंधी बैठक में इंदौर के चहुमुखी विकास के संबंध में अनेक महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। बैठक में निर्णय लिया गया कि प्रस्तावित इंदौर मेट्रोपॉलिटन क्षेत्र एवं इंदौर रीजनल डेवलपमेंट एरिया के चहुमुखी विकास के लिए कार्ययोजना तैयार होगी। इंदौर नगर निगम सीमा में शामिल 29 गांवों के विकास के लिए विशेष कार्ययोजना बनायी जायेगी। यह कार्ययोजना एक माह में तैयार करने के निर्देश मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा दिये गये। साथ ही निर्णय लिया गया कि इंदौर शहर के एलआईजी से नवलखा तक प्रस्तावित एलिवेटेड ब्रिज के बजाय आवश्यकता के अनुसार जंक्शनों पर 6 और ब्रिज बनाये जाएंगे। साथ ही तय किया गया कि नगर निगम सीमा क्षेत्र में शामिल 29 गांवों और शहर की अन्य पुरानी बस्तियों के भूस्वामित्व संबंधी मामले निराकृत हों और इनके नक्शे भी पास करने की व्यवस्था बनायी जाये। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने इंदौर जिले में स्वीकृत तथा प्रगतिरत विभिन्न निर्माण कार्यों को पूरा करने की समयसीमा भी तय की।

बैठक में नगरीय विकास एवं आवास मंत्री कैलाश विजयवर्गीय, जल संसाधन मंत्री तुलसीराम सिलावट, सांसद शंकर लालवानी, महापौर पुष्यमित्र भार्गव, विधायक सुश्री उषा ठाकुर, रमेश मेंदोला, महेंद्र हार्डिया, श्रीमती मालिनी गौड़, मधु वर्मा, गोलू शुक्ला तथा मनोज पटेल, गौरव रणदिवे, चिंटू वर्मा विशेष रूप से उपस्थित थे। बैठक में मुख्यमंत्री जी के प्रमुख सचिव संजय शुक्ला तथा राघवेंद्र सिंह, संभागायुक्त दीपक सिंह, पुलिस आयुक्त राकेश गुप्ता, मुख्य वन संरक्षक एमआर. बघेल, कलेक्टर आशीष सिंह, नगर निगम आयुक्त शिवम वर्मा सहित अन्य अधिकारी भी मौजूद थे।

बैठक में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने प्रगतिरत इंदौर-उज्जैन 4 लेन से 6 लेन सड़क, एमआर-11, एमआर-12, तेजाजी नगर से बलवाड़ा, इंदौर से हरदा सहित मास्टर प्लान की अन्य सड़कों की समीक्षा की। इस अवसर पर उन्होंने निर्देश दिये कि उक्त कार्य निर्धारित समयसीमा में पूर्ण किये जायें। साथ ही इंदौर बायपास से ग्राम पानोद, कम्पेल रोड, चन्द्रगुप्त मौर्य प्रतिमा से देवास-उज्जैन रोड तक 2 लेन मार्ग, इंदौर शहर में पश्चिमी बायपास का निर्माण, इंदौर शहर में पूर्वी बायपास रोड के संबंध में भी चर्चा की गई। निर्देश दिये गये कि उक्त सड़कों के कार्य सभी औपचारिकताएं पूर्ण कर शीघ्र शुरू किये जायें।

बैठक में बताया गया कि एलआईजी से लेकर नवलखा तक एलिवेटेड ब्रिज के लिये मात्र तीन प्रतिशत की उपयोगिता ही मिली है। इसको देखते हुए मुख्यमंत्री जी ने कहा कि जब इतनी कम उपयोगिता आ रही है तो एलिवेटेड ब्रिज की जरूरत नहीं है। इसके बजाय वैकल्पिक व्यवस्था की जाये। एलिवेटेड ब्रिज की बजाय अलग-अलग जंक्शनों पर ब्रिज बनाये जायें। बताया गया कि 6 ओव्हर ब्रिज इस मार्ग पर बनाये जाने की जरूरत है। मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव ने इसके लिये कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश दिये। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने अमृत योजना के बारे में भी समीक्षा की और निर्देश दिये कि शहर में 2047 की आवश्यकता को देखते हुए जल प्रदाय और सीवरेज लाईन के संबंध में कार्ययोजना तैयार करते हुए कार्य शीघ्र प्रारंभ किये जायें। धनराशि के संबंध में भी प्लान तैयार हो।

बैठक में 29 गांवों को नगर निगम सीमा में शामिल करने के पश्चात विकास में आ रही दिक्कतों पर चर्चा की गई। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने निर्देश दिये कि इंदौर नगर निगम सीमा क्षेत्र में शामिल 29 गांवों के विकास संबंधी समस्याओं को निराकृत करने के लिये एक माह के अंदर विकास प्लान तैयार किया जाये। इन गांवों सहित शहर की पुरानी बस्तियों के भूस्वामित्व संबंधी मामलों को भी निराकृत किया जाये। ऐसी व्यवस्था की जाये कि इन क्षेत्रों में आसानी से नक्शे पास हो जायें। उन्होंने कहा कि नगर निगम सीमा क्षेत्र में शामिल 29 गांवों की अतिरिक्त भूमियों पर विकास संबंधी योजनाएं बनायी जायें। नगर निगम सीमा क्षेत्र में शामिल उपरोक्त सभी 29 गांवों में वैध कॉलोनियों की तरह ही सभी मूलभूत सुविधाएं मिलें।

निगम की शिकायतों का आंकड़ा पहुंचा 5 हजार के करीब

भवन अनुज्ञा और सफाई की शिकायतें सबसे अधिक

इंदौर। लापरवाह निगम कर्मचारी के कारण सीएम हेल्पलाइन और अन्य साधनों पर निगम की शिकायतों का आंकड़ा बढ़ता जा रहा है। आलम क्या है कि लापरवाहियों के कारण 5 हजार के करीब शिकायतें वर्तमान में निगम की पेंडिंग है। इनमें सबसे अधिक शिकायत है सफाई और भवन अनुज्ञा की बताई जा रही हैं। जहां तक बात सफाई की है वर्तमान में हल्के कल किलो में चार्ज लेने के बाद कुछ सुधार आया है लेकिन भवन अनुज्ञा के अवैध निर्माण के मामले में कोई सुधार नहीं होता दिख रहा है। अवैध निर्माण में भी शिकायत के बाद बीओ-बीआई द्वारा कार्रवाई नहीं करना प्रमुख कारण सामने आ रहा है। नगर निगम के राज मोहल्ला और द्रविड़ नगर झोन में तो बीओ और बीआई की लापरवाही इस कदर हावी है कि जो लाल कार्यालय के सामने ही अवैध निर्माण हो रहा है और वह ध्यान नहीं दे रहे हैं। इसके पीछे तगड़ा लेनदेन भी बताया जा रहा है।

निगम अधिकारियों के अनुसार वर्तमान में 600 के करीब गंदगी की शिकायतें पेंडिंग है। इसके साथ ही करीब 500 शिकायत है भवन अनुज्ञा अर्थात अवैध निर्माण संबंधी है। सीवरेज गंदा पानी आना और अन्य मामलों की शिकायतें भी बड़ी संख्या में पेंडिंग है। यह भी बताया जा रहा है कि करीब 1000 के आसपास शिकायतें लेवल 4 पर पहुंच चुकी हैं। इसके बाद भी निगम के अधिकारी और कर्मचारी यो को हल करने की कोशिश नहीं कर रहे हैं। लोगों का तो यह भी कहना है कि निगम अधिकारी मनमर्जी से ही शिकायतें बंद कर देते हैं और उसका निराकरण किया जाने का लेख लिख देते हैं। हालांकि वह शिकायत पेंडिंग ही पड़ी रहती है। शिकायत बंद होने के बाद पुनः शिकायत करना पड़ती है जिसकी दोबारा से वही विवेचना की जाती है और वही लाकर बंद करने की कोशिश की जाती है।

निगमायुक्त के निर्देश भी नहीं मान रहे अधिकारी

निगम आयुक्त शिवम वर्मा द्वारा लगातार शिकायतों को हल करने के निर्देश जारी किए जाते रहे हैं इसके बाद भी निगम अमला शिकायतों को दूर करने को लेकर गंभीर नहीं है। प्राय यह देखा जा रहा है कि निगम अधिकारी और कर्मचारी शिकायतकर्ता को ही अपराधी समझने लगते हैं और उससे कई बड़े सवाल करते हैं। शिकायत हल करने पर वे ध्यान नहीं देते, बल्कि शिकायतकर्ता को शिकायत करने से ही रोकते हैं।

अधिसूचना हुई जारीः अब मेट्रो के रूट और स्टेशन तय

7 स्टेशन अंडरग्राउंड बनाने का प्रस्ताव, इसमें एयरपोर्ट से रीगल तक 8.7 किमी हिस्सा ही शामिल

इंदौर। इंदौर व भोपाल में बन रहे मेट्रो प्रोजेक्ट के रूट व स्टेशन में अब आसानी से बदलाव नहीं होगा। देश के गजट में दोनों शहरों में बन रहे व प्रस्तावित मेट्रो के रूट व स्टेशन को 22 अगस्त अधिसूचित कर लिया गया है। इस तरह इंदौर व भोपाल में मेट्रो जिस रूट पर चलेगी वो फाइनल हो चुका है। गुरुवार को मेट्रो कार्यालय में हुई बैठक में यह जानकारी मेट्रो के एमडी ने दी। इंदौर में यलो लाइन कहलाने वाली मेट्रो का 31.32 किमी का रिंग लाइट रूट तय है। इस पर 28 मेट्रो स्टेशन बनना प्रस्तावित है। इसमें सुपर कारिडोर पर 5.9 किमी के हिस्से में पांच मेट्रो स्टेशन के बीच प्रायोरिटी कॉरिडोर पर मेट्रो रेल प्रबंधन द्वारा दिसंबर 2024 तक कमर्शियल रन शुरू करने की योजना है। गांधी नगर से रेडिसन चौराहे तक 17 किलोमीटर तक 16 स्टेशन वाले हिस्से में जून 2025 तक कमर्शियल रन शुरू करने की योजना है। इस कार्य को तय समय में पूरा करने के लिए वरिष्ठ अधिकारी सप्ताह में दो दिन इंदौर में प्रोजेक्ट की मॉनीटरिंग करेंगे।

गजट में भी करवाना होगा बदलाव-इंदौर में फिलहाल एयरपोर्ट से रीगल तक 8.7 किलोमीटर के रूट पर 7 स्टेशन अंडरग्राउंड बनाने का प्रस्ताव है। गजट में अधिसूचित मेट्रो के रूट में यही हिस्सा दर्ज है। मेट्रो रेल प्रबंधन बंगाली चौराहे से मेट्रो को अंडरग्राउंड करने पर विचार कर रहा है। मंत्री कैलाश विजयवर्गीय के निर्देश पर अंडरग्राउंड मेट्रो के रूट को लेकर सर्वे रिपोर्ट भी तैयार हुई। इस पर राज्य व केंद्र सरकार की मुहर लगना बाकी है। इसके लिए केंद्र सरकार से अनुमति मिलने व 1600 करोड़ रुपये की अतिरिक्त राशि मिलने पर ही यह बदलाव संभव है। ऐसे में बंगाली चौराहे से अंडरग्राउंड होने वाले रूट के बदलाव को भविष्य में गजट में अधिसूचित करवाना होगा।

परीक्षाओं की तैयारी और अध्ययन के लिए मिलेगी पूरी सहायता: मुख्यमंत्री डॉ. यादव

आकांक्षा योजना में प्रदेश के 5 नगरों में राष्ट्रीय स्तर की परीक्षाओं के लिए कोचिंग

भोपाल। *मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि देश में राष्ट्रपति के सर्वोच्च पद पर जनजातीय वर्ग से श्रीमती द्रौपदी मुर्मु के पदासीन होने के साथ ही जनजातीय वर्ग के हित और सम्मान में ऐतिहासिक कार्य हो रहा है। मध्यप्रदेश में भी इस दिशा में महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए हैं। इस वर्ष बाबा महाकाल की सवारी में जनजातीय वर्ग के लोक कलाकारों को भी आमंत्रित किया गया।*

केंद्रीय जनजातीय मंत्री श्री दुर्गादास उईके स्वयं भी उज्जैन आकर प्रथम पूजा में शामिल हुए इसके पूर्व तक मुख्यमंत्री अथवा अन्य विशिष्ट व्यक्ति को यह अवसर मिलता था। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि जनजातीय वर्ग के जनप्रतिनिधियों, नागरिकों और विद्यार्थियों को शैक्षणिक प्रोत्साहन और तीर्थ- दर्शन योजना का लाभ दिया जाएगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव आज खंडवा जिले के खालवा में आयोजित जनजातीय छात्र प्रोत्साहन एवं सम्मान समारोह को संबोधित कर रहे थे । उन्होंने जनजातीय वर्ग के हित में अनेक महत्वपूर्ण घोषणाएं भी की ।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि आकांक्षा योजना के अंतर्गत प्रदेश के अनुसूचित जाति और जनजाति वर्ग के छात्रों को राष्ट्रीय स्तर की प्रवेश परीक्षाओं जैसे जेईई, नीट, एम्स और क्लेट आदि के लिए निशुल्क कोचिंग की सुविधा प्रदान की जा रही है। भोपाल, इंदौर, जबलपुर, उज्जैन संभागों में आकांक्षा योजना के क्रियान्वयन की कार्यवाही प्रारंभ की जा रही है । प्रदेश के 5 बड़े नगरों भोपाल, इंदौर, उज्जैन, जबलपुर और ग्वालियर में योजना के अंतर्गत विद्यार्थी निशुल्क कोचिंग सुविधा प्राप्त कर सकेंगे। आज प्रतीक स्वरूप विदेश में अध्ययन के लिए छात्रवृत्ति योजना के अंतर्गत पांच विद्यार्थियों को 2-2 लाख रुपए की राशि प्रदान की जा रही है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रत्येक जनजातीय बहुल जिले में इस प्रकार के कार्यक्रम किए जाएंगे। जहां हमारी प्रतिभा को समाज के बीच लाने का मौका मिले । सम्पन्न घरों के बच्चे तो देश के बाहर पढ़ने जाते हैं लेकिन अब गरीब जनजातीय परिवार के सदस्य भी विदेशों में अध्ययन के लिए जा रहे हैं । आज उन बच्चों के माता-पिता की आँखों में जो खुशी देखी है, वो अद्भुत है । यह असली आनंद की बात है ।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेद्र मोदी देश का मान-सम्मान बढ़ा रहे हैं । हम हर क्षेत्र में आगे बढ़ रहे हैं । प्रदेश सरकार भी उसी तरह उनके साथ मिलकर आगे बढ़ना चाहती है। हर गरीब जनजातीय वर्ग के साथ कदम से कदम मिलकर आगे चलना चाहती है, उनके बच्चों को आगे बढ़ाना चाहती है । हमारे मन में सरकार के लिए आगे बढ़ाने के लिए पूरी युवा शक्ति है । मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि लोग भारत की आबादी को अलग नजरिए से देखते है । यह सच है कि यहाँ बड़ी आबादी है । यह उनके लिए परेशानी हो सकती है। लेकिन यही हमारी ताकत है। आर्थिक अभाव में गरीब परिवार एवं जनजातीय वर्ग से आने वाले बच्चों की पढ़ाई नहीं रूकेगी। बेटा-बेटी सिर्फ एडमिशन लें, पढ़ाई का खर्च सरकार उठाएगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि आप सब आगे बढ़ें डॉक्टर, इंजीनियर और वैज्ञानिक बने । अगर विदेश में जाकर पढ़ना है तो उसके लिए भी सरकार पैसा देगी।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने दीप प्रज्वलित कर सम्मान समारोह शुभारंभ किया। इस अवसर पर केंद्रीय जनजातीय राज्यमंत्री श्री दुर्गादास उईके और प्रदेश के जनजातीय कार्य मंत्री डॉ. कुंवर विजय शाह उपस्थित थे । कार्यक्रम में खण्डवा जिले के हरसूद एवं खालवा क्षेत्र की बालिकाओं के लिए शासकीय महाविद्यालय हरसूद आने-जाने के लिए निशुल्क बस सुविधा भी प्रारंभ की गई। इसके अलावा वर्ष 2024-25 के शिक्षा सत्र के लिए जनजातीय कार्य विभाग की विदेश में अध्ययन के लिए छात्रवृत्ति योजना में चयनित 70 विद्यार्थियों में से 5 विद्यार्थियों को सार्वजनिक मंच पर सम्मानित किया गया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने समारोह में प्रतिभावान जनजातीय छात्र श्री आशाराम पालवी को लंदन में पढ़ाई के लिए यूनिवर्सिटी की फीस और अन्य खर्च सहित लगभग 35 लाख रुपए की छात्रवृत्ति प्रदान की। साथ ही उनके माता-पिता का अभिनंदन भी किया।

लैब की मॉनिटरिंग के लिये विमर्श पोर्टल

सूचना और संचार प्रौद्योगिकी का ज्ञान देने प्रदेश में 3390 आईसीटी लैब स्थापित

भोपाल।प्रदेश में राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के संदर्भ में सरकारी स्कूलों में पढ़ने वाले विद्यार्थियों में डिजिटल लिटरेसी को विकसित करने के उद्देश्य से आईसीटी (इन्फार्मेशन एण्ड कम्युनिकेशन टेक्नोलॉजी) लैब स्थापित की जा रही हैं। प्रदेश में अब तक 3390 आईसीटी लैब स्थापित की जा चुकी हैं। केन्द्र सरकार की इस योजना में स्कूल में कम्प्यूटर लैब स्थापित की जा रही हैं। स्कूल शिक्षा विभाग के माध्यम से कम्प्यूटर लैब की स्थापना का कार्य विकेन्द्रीकृत तरीके से जिलों द्वारा किया जा रहा है।

आईसीटी लैब की नियमित मॉनिटरिंग एवं मासिक समीक्षा गतिविधियों के लिये विमर्श पोर्टल में एक इंटीग्रेटेड मॉनिटरिंग सिस्टम विकसित किया गया है। डिटिजल लिटरेसी से संबंधित कौशल आज के तकनीकी युग की आवश्यकता बन चुकी है। जिसमें भविष्य में विद्यार्थियों को अच्छे करियर ऑप्शन हो सकें। इसको ध्यान में रखते हुए आईसीटी लैब के अध्यापन से संबंधित पाठ्यवस्तु का निर्धारण किया गया है। कक्षा 6 से 12 के विद्यार्थियों के लिये आईसीटी से संबंधित विषयवस्तु तैयार की गई है। आईसीटी लैब के माध्यम से विद्यार्थियों को कम्प्यूटर, इंटरनेट और अन्य डिजिटल साधनों का उपयोग करने का प्रशिक्षण भी मिल रहा है, जिससे विद्यार्थियों एवं शिक्षकों की आईसीटी के प्रति रूचि बढ़ी है।

सरकारी स्कूलों में डिजिटल साक्षरता पर जोर-प्रदेश में सरकारी स्कूलों में शैक्षणिक गुणवत्ता सुधार के लिये स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा लगातार प्रयास किये जा रहे हैं। इस कार्य में अनेक स्वयंसेवी संगठन शिक्षा से जुड़ी योजनाओं के क्रियान्वयन में राज्य सरकार की मदद कर रहे हैं। इसी तरह का एक संगठन श्रीराम फाइबर फाउण्डेशन (एसआरएफ) कार्य कर रहा है।

700 युवाओं का किया गया प्लेसमेंट-भिण्ड एवं धार जिले में बेसिक इलेक्ट्रीशियन ट्रेनिंग सेंटर चलाये जा रहे हैं। इन सेंटर में 18 वर्ष से अधिक के युवाओं को 4 माह का इलेक्ट्रिक से संबंधित कोर्स कराया जा रहा है। कोर्स पूरा होने पर इलेक्ट्रिक किट भी प्रदान की जा रही है। इन सेंटर्स के माध्यम से अभी तक 1200 से अधिक युवाओं को इलेक्ट्रिक ट्रेनिंग दी गई है। फाउण्डेशन द्वारा 700 से अधिक युवाओं का रोजगार के मकसद से प्लेसमेंट भी कराया गया है।

डिजिटल साक्षरता-ग्रामीण क्षेत्रों में विद्यार्थियों को डिजिटल साक्षर बनाने की कोशिश की जा रही। फाउण्डेशन ग्रामीण क्षेत्रों में डिजिटल बस भेजकर विद्यार्थियों को कम्प्यूटर संबंधी जानकारी दे रहा है। डिजिटल बस ''आईसीटी लैब ऑन द व्हील'' नाम से चलायी जा रही है। बस में 20 कम्प्यूटर और 2 एलसीडी स्क्रीन प्रिंटर लगाये गये हैं। छात्रों में नेतृत्व क्षमता बढ़ाने के लिये चयनित स्कूल परिसर में स्वच्छ विद्यालय कमेटी का गठन किया गया है। इसमें 20 छात्र शामिल किये गये हैं। सभी को अलग-अलग दायित्व सौंपे गये हैं। शिक्षकों में टीचिंग स्किल बढ़ाने के लिये चयनित शिक्षकों को दूसरे राज्यों में एक्सपोजर विजिट पर भी भेजा गया है।

कलेक्टर दिलवाएंगे महंगी किताब खरीदी पर रिफंड

किताबों को स्कूल से या कहीं और से बिकवाने पर लगाई रोक

भोपाल।महंगी पुस्तके बेचकर अभिभावकों को आर्थिक शोषण करने वाले निजी स्कूलों पर कलेक्टर भिंड संजीव श्रीवास्तव ने नकेल कसने का प्रयास करते हुए स्कूल संचालकों को किताबों को स्कूल से बेचने या कहीं और से बिकवाने पर रोक लगा दी गई है। साथ ही महंगी किताब खरीदने वाले अभिभावकों को कलेक्टर ने रिफंड दिलवाने का भरोसा भी दिलाया है। दरअसल इसके के माध्यम से वह अभिभावकों से मोटी रकम वसूल करते हैं। जिसकी लगातार शिकायतें मिल रहीं थीं।

कलेक्टर संजीव श्रीवास्तव ने इस मामले को संज्ञान में लेते हुए सभी निजी विद्यालय संचालकों और प्राचार्यो को हिदायत दी है कि वे अपनी किताबें अभिभावकों पर थोपने से बचें अन्यथा की स्थिति में कड़ी कार्रवाई के लिए तैयार रहें। किसी भी एक या चिह्नित दुकान से पुस्तक और ड्रेस खरीदने के लिए भी कलेक्टर ने सचेत किया है। उन्होंने कहा कि स्कूल संचालक, प्राचार्य स्कूल में संचालित प्रत्येक कक्षा के लिए अनिवार्य पुस्तकों की सूची विद्यालय की वेबसाइट पर अपलोड करेंगे एवं विद्यालयीन सार्वजनिक सूचना पटल पर चस्पा करेंगे। मान्यता नियमों के अंतर्गत स्कूल की स्वयं की बेबसाइट होना अनिवार्य होगा। बैठक में भिंड कलेक्टर ने सर्वसम्मति से 1 से लेकर 8वीं तक की किताबों के मूल्य का निर्धारण किया है। अब इनमें पढ़ाई जाने वाले किताबों की कुल कीमत 800 से लेकर 1200 के बीच रहेगी। कक्षा एक और दो में पढ़ने वाले छात्रों की किताबों की कीमत 800 रुपये होगी।इसी तरह कक्षा 2 और 3 में पढ़ने वाले छात्रों के सिलेबस की कीमत 900 रुपये होगी। इसी तरह 5वीं के छात्र का सिलेबर 1 हजार रुपये में खरीदा जा सकेगा। वहीं 6वीं से 8वीं का सिलेबस 1200 रुपये का रहेगा। जिन बच्चों ने इससे पहले किताबें खरीद ली हैं उनके पैसे वापस होंगे। इस बारे में कलेक्टर भिंड संजीव श्रीवास्तव का कहना है कि निर्धारित रेट से अधिक कीमत की किताबें न खरीदी जाएं।

पार्षद व पार्षद प्रत्याशी पार्टी संगठन व देश को ताकत देने रिकॉर्ड सदस्य बनाएं - विष्णुदत्त शर्मा

प्रदेश अध्यक्ष एवं प्रदेश संगठन महामंत्री ने संगठन पर्व संबंधित भोपाल जिले की पार्षद बैठक को किया संबोधित

भोपाल। *भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष व खजुराहो सांसद विष्णुदत्त शर्मा एवं प्रदेश संगठन महामंत्री हितानंद ने रविवार को संगठन पर्व संबंधित भाजपा प्रदेश कार्यालय में भोपाल जिले की पार्षद बैठक को संबोधित किया। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष व सांसद विष्णुदत्त शर्मा ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी सत्ता के लिए नहीं जनता की सेवा के लिए कार्य कर रही है।*

कांग्रेस और दिग्विजय सिंह जैसे नेताओं की खीझ का सबसे बड़ा कारण यही है कि भाजपा और उसके नेता जनता की सेवा क्यों कर रहे हैं। दिग्विजय इसलिए भी खीझ रहे हैं कि पंच, सरपंच, जनपद, जिला पंचायत से लेकर नगर निगमों, प्रदेश और देश में भाजपा की सरकार है। सत्ता से बाहर होने के कारण कांग्रेस के नेता बिना पानी मछली की तरह तड़प रहे हैं। प्रदेश संगठन महामंत्री हितानंद ने कहा कि मध्यप्रदेश में डेढ़ करोड़ सदस्य बनाने का लक्ष्य रखा गया है, इस लक्ष्य से अधिक सदस्य बनाने के लिए सभी कार्यकर्ता मैदान में उतरें। संगठन पर्व में भोपाल जिले को मध्यप्रदेश में नंबर एक बनाने के लिए सब मिलकर प्रयास करें और सदस्यता में इतिहास बनाएं। बैठक को जिला अध्यक्ष सुमित पचौरी एवं भोपाल महापौर श्रीमती मालती राय ने भी संबोधित किया।

सदस्यता की वजह से कई राज्यों में प्रचंड बहुमत की सरकारें बनीं-भाजपा प्रदेश अध्यक्ष व सांसद विष्णुदत्त शर्मा ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी लोगों का जीवन बदलने का कार्य कर रही है। विपक्षी चुनाव जीतने के लिए कुछ भी कर सकते हैं, कोई भी हथकंडा अपना सकते हैं, लेकिन भाजपा कार्यकर्ता ऐसा कुछ नहीं कर सकता। इसलिए भाजपा कार्यकर्ता संगठन पर्व के जरिए सभी वर्गों के लोगों को अपनी पार्टी से जोड़ें और संगठन को मजबूती प्रदान करें। अधिक से अधिक लोगों को सदस्य बनाकर संगठन की ताकत बढ़ाने का कार्य करें। चुनावों में जिस बूथ पर पार्टी का प्रदर्शन कमजोर रहा, वहां अधिक से अधिक सदस्य बनाएं। नए लोगों को पार्टी का सदस्य बनाकर संगठन को मजबूत कर कई राज्यों में भाजपा प्रचंड बहुमत से सरकारें चला रही है। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा गरीबों के कल्याण के लिए कार्य कर रही है। भारतीय जनता पार्टी ''सबका साथ, सबका विश्वास, सबका प्रयास और सबका विश्वास'' के मूल मंत्र पर कार्य कर रही है। भाजपा सरकार द्वारा चलाई जा रही कल्याणकारी योजनओं में किसी वर्ग के साथ कोई भेदभाव नहीं करती है। कांग्रेस पार्टी तुष्टिकरण की राजनीति करती है, इसलिए यह जनता को भ्रमित करने का कार्य करती है। पार्षद अपने वार्ड में पार्टी का चेहरा होता है। सभी पार्षद और पार्षद प्रत्याशी देश को ताकत देने के लिए सभी भाजपा मतदाताओं को सदस्य बनाएं और ऐसे लोगों को भी सदस्य बनाएं जो भाजपा के मतदाता नहीं हैं। भाजपा कार्यकर्ता भोपाल में चुनावों में रिकार्ड बनाते रहे हैं, अब संगठन पर्व में भी प्रदेश में सबसे अधिक सदस्य बनाकर रिकार्ड बनाने का कार्य करें।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष व सांसद विष्णुदत्त शर्मा ने कहा कि तुष्टिकरण की राजनीति करने वाले कांग्रेस नेता समाज का भला नहीं कर सकते, वे सिर्फ स्वार्थ की राजनीति करते हैं। भाजपा सत्ता नहीं जनता की सेवा के लिए कार्य कर रही है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में प्रदेश की भाजपा सरकार गरीब कल्याण के कार्यों को इसी तरह से करती रहें, इसके लिए भाजपा संगठन को और मजबूत करना होगा। भाजपा संगठन पर्व के तहत विधानसभा, लोकसभा और नगर निगम के चुनाव में भाजपा को वोट देने वाले लोगों को पार्टी का सदस्य बनाएं। भाजपा का संगठन जितना मजबूत होगा, देश उतना ही मजबूत होगा। भाजपा कार्यकर्ताओं को संगठन मजबूत करने के लिए यह अवसर मिला है। संगठन पर्व को भाजपा कार्यकर्ता अवसर के रूप में लें और जो व्यक्ति भाजपा का मतदाता हैं, उसे सदस्य बनाकर संगठन को मजबूत करें।

रीवा में आध्यात्मिक वातावरण को नवीन ऊर्जा मिली है : शुक्ल

भोपाल। उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल को विन्ध्या रिट्रीट रीवा में डॉ अनुराग मिश्र मेमोरियल सेवा संस्थान द्वारा प्रथम ब्रह्मरत्न सम्मान प्रदान किया गया। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि ब्राह्मण समाज ने सदैव सभी के कल्याण की चिंता की है। रीवा में विभिन्न आयोजनों से आध्यात्मिक वातावरण को नवीन ऊर्जा मिली है। बड़े-बड़े निर्माण कार्यों के साथ-साथ मंदिरों और घरों में सुंदरकाण्ड के पाठ, पचमठा में बीहर आरती तथा अन्य इसी तरह के आयोजनों से लोगों में धर्म के प्रति आस्था सुदृढ़ हो रही है। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि रीवा के सामाजिक और धार्मिक संगठन निःस्वार्थ भाव से सेवा कर रहे हैं।

विभिन्न कार्यक्रमों में हुए शामिल : उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल हाउसिंग बोर्ड तिराहे में नवनिर्मित श्री हनुमान जी के प्राण प्रतिष्ठा समारोह में शामिल हुए। उप मुख्यमंत्री ने पूजा-अर्चना तथा आरती करके हनुमान जी का आशीर्वाद लिया। उप मुख्यमंत्री कृष्णा राजकपूर ऑडिटोरियम रीवा में कश्यप जयंती के अवसर पर केसरवानी वैश्य नगर सभा द्वारा आयोजित समारोह में शामिल हुए। कार्यक्रम में समाज के लोगों द्वारा उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल को सम्मान स्वरूप राधा कृष्ण की प्रतिमा भेंट की गई। इस दौरान उप मुख्यमंत्री ने समाज की पुस्तिका का विमोचन किया। श्री शुक्ल ने कहा कि इस समाज की भूमिका देश के विकास में अहम है। उन्होंने आयोजक मंडल को बधाई देते हुए कहा कि देश में अनेक जाति, धर्म व भाषाओं के लोग रहते हैं, फिर भी एकता कायम है, इसका कारण इस तरह के आयोजन हैं।

सोशल मीडिया का सही उपयोग करना महत्वपूर्ण: उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल रीवा के डंग पैलेस होटल में इनफ्लुएंसर मीट-2024 में शामिल हुए। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि भारत सरकार व प्रदेश सरकार द्वारा किए जा रहे जनकल्याणकारी और विकास कार्यों को जन-जन तक पहुंचाने के लिए सोशल मीडिया इनफ्लुएंसर की भूमिका आज के दौर में सबसे अहम है। सोशल मीडिया इनफ्लुएंसर समाज को प्रभावित करने की शक्ति रखते हैं। इसलिए सोशल मीडिया का सही उपयोग करना महत्वपूर्ण है। उन्होंने उपस्थित सोशल मीडिया इंफ्ल्यूएंसर से जन कल्याण के कार्यों में सहभागिता की अपील की।

देवराज नगर के राजाधिराज मंदिर का निर्माण शीघ्र होगा शुरू

उप मुख्यमंत्री श्री राजेंद्र शुक्ल बाणसागर स्थित सिरसी टापू से मार्कण्डेय होकर लौटते समय देवराजनगर पहुंचे। स्थानीय जन-प्रतिनिधियों ने बताया कि तकनीकी अड़चनों से मंदिर का पुनर्निमाण लंबे समय से रुका हुआ है। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि राजाधिराज मंदिर का निर्माण शीघ्र शुरू होगा। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को दिशा निर्देश दिये।

मध्य प्रदेश में बड़ी प्रशासनिक जमावट की तैयारी-सूत्र

भोपाल। मध्य प्रदेश में सूचना आयुक्त के दस पदों के लिए 10 सितंबर को बैठक होनी है। प्रदेश में मुख्य सूचना आयुक्त और राज्य सूचना आयुक्त के दस पद रिक्त हैं। आईएएस, आईपीएस, रिटायर्ड जज, सामाजिक, राजनीतिक, पत्रकारिता के क्षेत्र में लंबा अनुभव रखने वालों ने आवेदन किए हैं। जीएडी ने इन पदों पर नियुक्ति के लिए फाइल सीएम सचिवालय को भेज दी है। इस बैठक में सूचना आयुक्तों के नाम पर फैसला होने की उम्मीद है। वर्तमान मुख्य सचिव वीरा राणा का इस महीने कार्यकाल भी समाप्त होने वाला है।

बताया जा रहा है कि उन्हें राज्य निर्वाचन आयुक्त बनाया जा सकता है। कार्यकाल नहीं बढ़ा तो उनका राज्य निर्वाचन आयुक्त बनना तय है। 30 जून को राज्य निर्वाचन आयुक्त बसंत प्रताप सिंह का कार्यकाल खत्म हो चुका है। राज्य सरकार ने आयुक्त सिंह का कार्यकाल बढ़ा दिया है। नए आयुक्त की नियुक्ति होने के साथ आयुक्त बसंत प्रताप सिंह का कार्यकाल खत्म हो जाएगा। वहीं, 30 सितम्बर को मुख्य सचिव वीरा राणा रिटायर हो रहीं हैं।

चर्चा है कि उन्हें एक्सटेंशन दिया जा सकता है। लेकिन एक्सटेंशन नहीं मिला तो वीरा राणा की ताजपोशी राज्य निर्वाचन आयुक्त के पद पर होना तय माना जा रहा है। वर्तमान चेयरमैन एसपीएस परिहार का कार्यकाल 2 जनवरी को समाप्त रहा है। जिसके बाद ऊर्जा विभाग ने नियामक आयोग के नए चेयरमैन की तलाश शुरू कर दी है। विभाग ने प्रशासनिक और ऊर्जा के क्षेत्र में काम करने वाले एक्सपर्ट्स के आवेदन बुलाए हैं। आवेदन 17 सितम्बर तक स्वीकार किए जाएंगे।

BOLLYWOOD UPDATE

काली बिल्ली का दूध पी गए अक्षय कुमार

बर्थडे पर किया नई फिल्म का ऐलान

बॉलीवुड एक्टर अक्षय कुमार कल यानी 9 सितंबर के दिन 57 साल के हो गए हैं। अक्षय कुमार ने दो दिन पहले ही ऐलान किया था कि वह अपने बर्थडे पर कुछ बड़ा अनाउंस करने वाले हैं और अब एक्टर ने फैंस के इस इंतजार को पूरी तरह खत्म कर दिया है। फैंस ने अंदाजा लगा लिया था कि अक्षय कुमार अपनी कोई नई फिल्म का ऐलान करने वाले हैं और ऐसा ही हुआ है। अभिनेता ने अपने बर्थडे के मौके पर नई फिल्म का ऐलान कर दिया है, जिसमें हॉरर और कॉमेडी का लगने वाले हैं। अक्षय कुमार ने 14 साल बाद निर्देशन प्रियदर्शन से हाथ मिलाया है और अब वह उनके निर्देशन में बन रही फिल्म भूत बंगला में नजर आएंगे, जिसका छोटा सा टीजर आ गया है। दरअसल, अक्षय कुमार ने अपने ऑफिशियल इंस्टाग्राम अकाउंट पर फिल्म भूत बंगला का टीजर जारी किया है, जो काफी मजेदार है। इस हॉरर कॉमेडी फिल्म के टीजर में अक्षय कुमार बिल्लियों की तरह दूध पीते दिख रह हैं, जो टीजर का सबसे ज्यादा फनी पार्ट है।

इस टीजर में देखा जा सकता है कि शुरुआत में अमावस्य का चांद दिखाया जाता है और फिर एक काली बिल्ली होती है, जो अपनी पूंछ को हवा में लहरा रही है। इसके साथ सीधे अक्षय कुमार को दिखाया जाता है, जो हाथ में कटोरी पकड़ी बिल्लियों की तरह दूध पी रहे हैं और अक्षय के कंधे पर वही काली बिल्ली बैठी है। अक्षय के बैकग्राउंड में एक भूत बंगला है। ●

तमिल एक्टर जयम रवि ने

15 साल बाद बीवी से लिया तलाक

तमिल सिनेमा के दिग्गज अभिनेता जयम रवि ने बीते दिन एक शॉकिंग न्यूज के साथ अपने चाहने वालों को हैरान कर दिया है। अभिनेता ने पत्नी आरती से 15 साल का रिश्ता खत्म कर दिया है। पोन्नियिन सेल्वन एक्टर ने साल 2009 में आरती से शादी की थी। कपल को दो बच्चे भी हैं, जिनका नाम आरव और अयान हैं। पिछले कुछ महीने से रवि और आरती के अलग होने की चर्चा हो रही थी। जून महीने में जब तलाक के कयास लग रहे थे, तब एक पोस्ट के जरिए आरती ने इन खबरों पर फुल स्टॉप लगा दिया था। अब खुद रवि ने इन खबरों को कन्फर्म कर दिया है।

आपको बता दें कि 9 सितंबर यानी कल जयम रवि ने एक्स (ट्विटर) हैंडल पर एक लॉन्ग स्टेटमेंट के जरिए अपने तलाक की जानकारी दी है। अभिनेता ने लिखा, बहुत सोच, विचार-विमर्श और चर्चा के बाद मैंने आरती के साथ अपनी शादी को खत्म करने का कठिन फैसला लिया है। यह फैसला जल्दबाजी में नहीं लिया गया है, बल्कि यह पर्सनल वजहों से लिया गया है, जो मेरा मानना है कि सभी के हित में है। जयम रवि ने लोगों से प्राइवेसी का सम्मान करने का अनुरोध किया। साउथ अभिनेता ने पोस्ट में लिखा, मैं आप सभी से निवेदन करता हूं कि इस मुश्किल समय में हमारी और हमारे परिवार के सदस्यों की प्राइवेसी का सम्मान करें और आप सभी से अपील करता हूं कि इस मामले में कोई भी धारणा, अफवाह या आरोप लगाने से बचें और मामले को पर्सनस ही रहने दें। ●

खराब ओरल हेल्थ
छीन सकती है आपकी मुस्कान

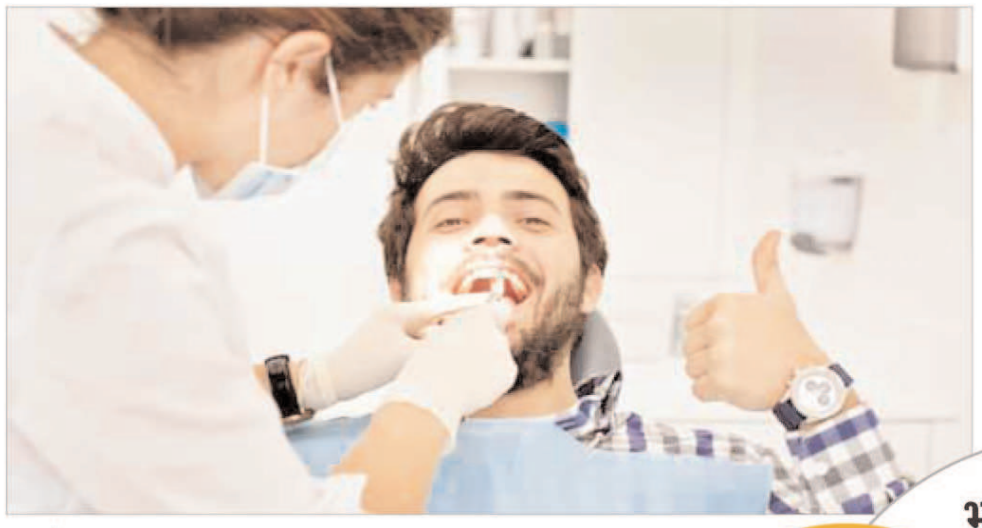

तंबाकू से बचें

तंबाकू का इस्तेमाल, चाहे वह धूम्रपान या चबाने के रूप में हो, ओरल हेल्थ के लिए हानिकारक है। तंबाकू मसूड़े की बीमारी, दांतों का गिरना और मुंह का कैंसर सहित कई ओरल डिजीज का कारण बन सकता है।

अक्सर हम ओरल हेल्थ को नजर अंदाज कर देते हैं। इसके कारण दांत में कीड़े लगना, मसूड़ों से खून आना, दांत में दर्द आदि जैसी कई समस्याएं शुरू हो जाती हैं। ओरल हेल्थ का असर किसी न किसी तरह से हमारी पूरी सेहत पर पड़ता है। इसलिए अपनी मुस्कान की चमकान को बनाए रखने और स्वस्थ रहने के लिए जरूरी है कि हम अपनी ओरल हेल्थ का ख्याल रखें आज हम दांतों और मसूड़ों की बीमारियों से बचने के लिए कुछ स्वस्थ मुंह की आदतों के बारे में बताएंगे।

दिन में दो बार करें-ब्रश

दिन में दो बार ब्रश करना सबसे जरूरी और असरदार ओरल हेल्थ से जुड़ी आदत है। एक नरम-ब्रिसल वाले टूथब्रश का उपयोग करें और फ्लोराइडयुक्त टूथपेस्ट के साथ ब्रश करें। ब्रश करते समय अपने दांतों के सभी सतहों को ध्यान से साफ करें, जिसमें दांतों के पीछे और मसूड़ों के पास की सफाई भी शामिल है। हालांकि, ब्रश को ज्यादा जोर से न घिसें, नहीं तो मसूड़ें छिल सकते हैं।

फ्लॉस करें

ब्रशिंग के बाद, फ्लॉस करना उतना ही जरूरी है। फ्लॉसिंग आपके दांतों के बीच में खाना फंसने और प्लेग को हटाने में मदद करता है, जहां ब्रश से पहुंचना मुश्किल हो सकता है। एक धागे का एक छोटा टुकड़ा लें और इसे धीरे से अपने दांतों के बीच से गुजारें।

माउथवॉश का इस्तेमाल करें

माउथवॉश का उपयोग करना आपके दांतों और मसूड़ों की देखभाल के लिए काफी फायदेमंद हो सकता है। एक फ्लोराइड युक्त माउथवॉश चुनें और इसे ब्रश करने और फ्लॉस करने के बाद उपयोग करें। माउथवॉश आपके मुंह में बैक्टीरिया को मारने में मदद करता है और मुंह की दुर्गंध को कम करता है।

भरपूर पानी पिएं

भरपूर मात्रा में पानी पीना आपके मुंह को स्वस्थ रखने में मदद करता है। पानी आपके मुंह को साफ करने में मदद करता है और लार उत्पादन को बढ़ावा देता है, जो आपके दांतों की सतह को नेचुरल तरीके से साफ करने में मदद करता है।

नियमित रूप से डेंटिस्ट से मिलें

नियमित रूप से डेंटिस्ट से मिलना दांतों और मसूड़ों की बीमारियों को रोकने में अहम भूमिका निभाता है। दांतों और मसूड़ों की जांच के लिए हर छह महीने में अपने डेंटिस्ट से मिलें। आपका डेंटिस्ट किसी भी समस्या का पता लगाने और उसका इलाज करने में सक्षम होगा और आपको ओरल हेल्थ के बारे में सलाह दे सकेगा।

मुंह को सूखा रखने से बचें

मुंह सूखना ओरल हेल्थ के लिए हानिकारक हो सकता है। मुंह सूखने से बैक्टीरिया बढ़ने का खतरा बढ़ जाता है, जो दांतों के सड़ाने और मसूड़े की बीमारी का कारण बन सकता है। यदि आपको मुंह सूखने की समस्या है, तो अपने डॉक्टर से बात करें।

थायराइड के मरीजों के लिए
अमृत हैं पान के पत्ते

पान खाना एक तरह से भारत की शान माना जाता है। लोग शादी-ब्याह से लेकर रोजाना कि जिंदगी में भी पान खाना पसंद करते हैं। देश के अलग-अलग राज्यों में कई प्रकार के मशहूर पान बिकते हैं जैसे कलकतिया पान, बनारसी पान या फिर कनपुरिया। शौक तक तो ठीक है, मगर क्या पान के पत्तों में छिपे गुणों के बारे में जानते हैं। तो जान लें इन हरे पत्तों के फायदे, क्यों थायराइड के मरीजों को करना चाहिए इसका सेवन।

पान के पत्तों के लाभ

घरेलू नुस्खों से इलाज करना तो काफी आम हो गया है। हालांकि, कई घरेलू उपचार गंभीर बीमारियों में सफल भी साबित हुए हैं। ऐसे ही पान के पत्तों को खाने से थायराइड का इलाज किया जा सकता है। पान के पत्ते चबाने से थायराइड के हार्मोन नियंत्रित होते हैं। ऐसा

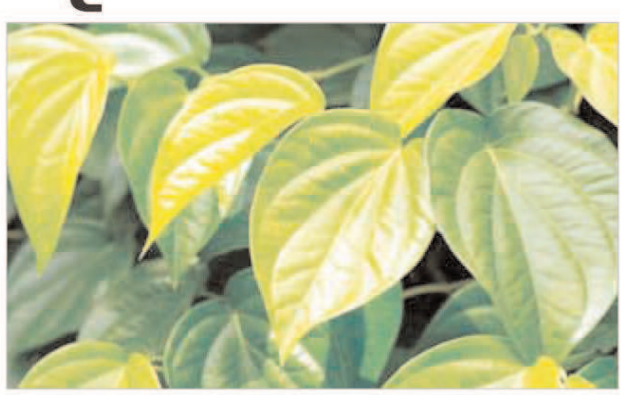

एक शोध में पाया गया है। आपको बता दें कि एक रिसर्च में चूहों के ऊपर पान के पत्तों का टेस्ट किया गया था। इस शोध में पान के पत्तों के कुछ रसायनों को चूहों पर नॉन क्लीनिकल ट्रायल किया गया था, जो कि सफल रहा है। इस शोध के बाद एक्सपर्ट्स का मानना है कि इंसान के शरीर पर भी इसका असर हो सकता है।

पान के पत्तों में

पान के पत्तों में एपीसी यानी एलीप्रोकेटेकॉल नामक रसायन होता है, जो इंसान को मोटापे से बचाता है। असल में पत्तों में दो तरह के रसायन पाए गए थे, जिसका चूहों पर प्रयोग हुआ था। यह प्रयोग लगातार 2 सालों तक चला था। रिसर्चर्स के अनुसार, पान के पत्ते न सिर्फ थायराइड की दवा हैं, बल्कि इन पत्तों के सेवन से लिवर का भी स्वास्थ्य सही रहता है। पान के पत्तों में एंटीफंगल, एंटीडायबिटीक गुण होते हैं। इन पत्तों में एंटीऑक्सीडेंट्स भरपूर मात्रा में पाई जाती हैं। पान के पत्तों में एंटीमाइक्रोबियल, एंटीअलर्जिक और एंटीकैंसर के गुण भी मिलते हैं।

पत्तों का सेवन

हालांकि, पान के पत्तों को पान की तरह खाने से कैंसर भी हो सकता है। पान के पत्तों को सादा दिन में सिर्फ एक ही बार खाना फायदेमंद होता है। वेटलॉस करने वाले लोगों को भी इसके पत्तों का सेवन कम करना चाहिए क्योंकि पान के पत्तों में भूख बढ़ाने वाले एंजाइम होते हैं।

हेल्थ बेहतर बनाने के साथ ही स्किन भी हेल्दी बनाता है
विटामिन K

शरीर को स्वस्थ बनाए रखने के लिए सभी पोषक तत्वों का अपना महत्व होता है। विटामिन, मिनरल, प्रोटीन और फाइबर जैसे जरूरी तत्व हमारी शरीर के सभी सिस्टम को सुचारू रूप सही तरीके से संचालित करने में मदद करते हैं। इनमें एक जरूरी विटामिन जो मुख्य रूप से ब्लड क्लॉट में मदद करता है, वो विटामिन K है। विटामिन K शरीर के अन्य कई प्रकार के काम में मदद करता है, जिससे इसकी हीलिंग पावर का अंदाजा लगाया जा सकता है।

क्यों जरूरी है विटामिन K ?

विटामिन K इम्युनिटी बूस्ट करता है, ये ब्लड क्लॉटिंग के साथ ब्लड कैल्शियम को भी रेगुलेट करता है, ये घाव भरने में मदद करता है और हड्डियों के स्वास्थ्य के लिए बेहद महत्वपूर्ण होता है, बोन फ्रैक्चर से बचाता है और हार्ट हेल्थ को सपोर्ट करता है। साथ ही स्किन के लिए विटामिन K बेहद फायदेमंद है। ये एजिंग की प्रक्रिया को धीमा करने के साथ हीलिंग प्रमोट करता है, आंखों के नीचे काले घेरे दूर करता है, ब्लड सर्कुलेशन में सुधार लाता है और स्किन पर मौजूद डार्क स्पॉट कम करता है।

इतना ही नहीं विटामिन K की कमी से हड्डियां कमजोर हो सकती हैं और मामूली सी चोट से भी ब्लीडिंग बढ़ सकती है। कभी-कभी इसकी कमी घातक भी सिद्ध हो सकती है। इससे हेमरेज होने की संभावना होती है। इसलिए अपनी डाइट में विटामिन K रिच फूड्स जरूर शामिल करना चाहिए। आइए जानते हैं विटामिन K युक्त कौन से फूड्स आपको जरूर खाने चाहिए-

केला : ये विटामिन K के साथ विटामिन ए, बी और सी का भी बेहतरीन स्रोत है। ये कोलाजन प्रोडक्शन के लिए बहुत फायदेमंद है और इसमें मौजूद एंटी-ऑक्सीडेंट स्किन को बनाते ग्लोइंग और हेल्दी हैं।

ब्रूसल स्प्राउट : इसमें ढेर सारा विटामिन K पाया जाता है और ये स्किन की नेचुरल रिपेयर प्रक्रिया को सपोर्ट करता है, जिससे एजिंग की प्रक्रिया धीमी होती है।

पालक : ढेर सारे विटामिन और आयरन का भंडार पालक विटामिन ए, बी सी के साथ विटामिन के से भी भरपूर होता है। इसमें मौजूद एंटी-ऑक्सीडेंट कोलाजन सिंथसिस में मदद करते हैं, जिससे हीलिंग की प्रक्रिया होती है और स्किन हेल्दी और यंग बनी रहती है।

कीवी : कीवी कई पोषक तत्वों की खान है। ये ब्लड वेसल को मजबूत बनाता है, डार्क सर्कल और डार्क स्पॉट को कम करता है और झुर्रियों से बचाता है, जिससे स्किन हमेशा ग्लो करती है।

एवोकाडो : ये ब्लड सर्कुलेशन में सुधार लाता है और इन्फ्लेमेशन दूर कर के स्किन को कई बीमारियों से बचाता है।

भाजपा सदस्यता अभियान : अव्वल रहने वाले 3 वार्डों को 1 लाख का पुरस्कार

इंदौर। भारतीय जनता पार्टी के संगठन पर्व के तहत इंदौर में रविवार को मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने घर-घर जाकर लोगों को बीजेपी की सदस्यता दिलाई। विधानसभा 1 में अशोक सम्राट मंडल के वार्ड 14 में बूथ क्रमांक 177 पर लोगों से मुलाकात की। घर पर मंत्री विजयवर्गीय के पहुंचने पर महिलाओं ने तिलक लगाकर और पुष्प वर्षा कर स्वागत किया। इस दौरान महिलाओं ने बीजेपी की सदस्यता भी ली। इस मौके पर सदस्यता अभियान प्रभारी अजय सिंह नरुका, सहप्रभारी विजय बिंजवा, गोविंद सिंह पंवार, एमआईसी सदस्य निरंजन सिंह चौहान सहित अन्य भाजपा नेता मौजूद थे। पिछले दिनों सदस्यता अभियान को लेकर मंत्री विजयवर्गीय ने बैठक ली थी। उन्होंने कहा कि इस सदस्यता अभियान में 2 लाख सदस्य बने तो मेरी ओर से सभी कार्यकर्ताओं का सम्मान होगा। सदस्यता अभियान हाईटेक तरीके से होगा। इसके लिए हमें हर पोलिंग बूथ पर आईटी से जुड़े बच्चों की एक सूची बनाना चाहिए, जो सदस्यता अभियान में मदद कर सके।

बैठक में मंत्री विजयवर्गीय ने कहा था कि विधानसभा 1 में 316 पोलिंग बूथ है। इसमें 290 वर्किंग होंगे। इसलिए एक-एक पोलिंग बूथ पर कम से कम 700 सदस्य बनना चाहिए। इसके लिए हमें समय देना होगा और सभी को 3-3 बूथ पर जाना है और अपना टारगेट पूरा करना है। हम देश में सर्वाधिक सदस्य बनाएंगे। हम विभिन्न समाजों की बैठक बुलाकर सदस्य बना सकते हैं। मैं अभी नागपुर में रहकर विदर्भ विधानसभा क्षेत्र को देख रहा हूं। वहां पर हमारे वृक्षारोपण अभियान, हमारी विधानसभा में सर्वाधिक वोट से जीतने के रिकॉर्ड की चर्चा है। महिलाओं ने मंत्री विजयवर्गीय का तिलक लगाकर स्वागत किया। इसके साथ ही भाजपा की सदस्यता भी ली। महिलाओं ने मंत्री विजयवर्गीय का तिलक लगाकर स्वागत किया। इसके साथ ही भाजपा की सदस्यता भी ली। सदस्यता अभियान में अव्वल रहने वाले पहले 3 वार्ड को पुरुस्कृत किया जाएगा। अव्वल रहने वाले तीनों वार्डों को 1 लाख का पुरस्कार और विकास के लिए 10 लाख रुपए का काम देंगे। जिस बूथ पर 700 से अधिक सदस्य बनेंगे उसको भी पुरस्कृत किया जाएगा।

भर्ती गड़बड़ी : बिना आवेदन दिए हो गई स्कूल आफ एक्सीलेंस फार आई में दो डाक्टरों की नियुक्ति

जांच रिपोर्ट में आया सामने, कालेज प्रबंधन का कहना अभी मिल नहीं रहे दस्तावेज

इंदौर। एमजीएम मेडिकल कालेज के अंतर्गत आने वाले अस्पतालों में भर्ती में गड़बड़ी करने के मामले लगातार सामने आ रहे हैं। स्कूल आफ एक्सीलेंस फार आई में बिना आवेदन किए डाक्टरों की नियुक्ति का मामला सामने आया है। दरअसल, इस मामले में शिकायत के बाद जांच कमेटी बनी थी। कमेटी में डा. प्रीति रावत, डा. अशोक ठाकुर और प्रशासनिक अधिकारी नेहा सिंघई शामिल थे। जिसकी हाल ही में आई रिपोर्ट में सामने आया है कि डाक्टरों के आवेदन वाले दस्तावेज नहीं मिले हैं। हालांकि मामले में कालेज प्रबंधन का कहना है कि कोरोना के समय यह भर्ती हुई है, दस्तावेज अभी मिल नहीं रहे है, जिन्हें हम ढूंढ रहे हैं। शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया है कि

मामले को दबाने का प्रयास किया जा रहा है। शिकायतकर्ता के अनुसार डा. टीना अग्रवाल और डा. मीता जोशी को 2019 में बिना आवेदन प्रक्रिया के सह-प्राध्यापक पद पर नियुक्त किया गया था। यह नियुक्ति नियमों और प्रक्रियाओं के विरुद्ध थी। शिकायतकर्ता ने मुख्यमंत्री को भी एक शिकायत पत्र भेजा है।

अभी तक कोई कार्रवाई नहीं

शिकायतकर्ता का आरोप है कि जांच रिपोर्ट आने के बाद अभी तक इस संबंध में कोई कार्रवाई नहीं की गई है। अब कालेज प्रबंधन दस्तावेज नहीं मिलने का बहाना बना रहा है क्योंकि जब सभी दस्तावेज मिल रहे हैं तो सिर्फ आवेदन वाले दस्तावेज क्यों नहीं मिल रहे हैं।

आखिर कहां गए दस्तावेज

उल्लेखनीय है कि जब इन डाक्टरों की नियुक्ति हुई थी, तब तत्कालीन संभागायुक्त सहित अन्य अधिकारियों ने कमेटी बनाकर दस्तावेजों की जांच की थी। इसके बाद ही इन्हें नियुक्त किया गया था। लेकिन अभी यह दस्तावेज कहां हैं, यह किसी को पता नहीं है। यह नियुक्तियां कोरोना के पहले हुई हैं।

बगैर परमिशन सरकारी उद्यान से काट ले गए पीपल का पेड़

इंदौर। दिनदहाड़े निगम के उद्यान से एक हरे भरे पीपल के पेड़ को बिना परमिशन काटने का मामला सामने आया है। पेड़ काटने वालों के हौंसले इतने बुलंद हैं कि उन्होंने दिनदहाड़े कॉलोनी वालों के सामने ही एक हरे भरे पेड़ को छंटनी के नाम पर काट दिया और उसकी लकड़ी और पत्ते गाड़ी में भरकर ले गए। पहले तो लोगों को लगा कि बगीचे की सफाई की जा रही है इसलिए पेड़ की छंटनी कर रहे हैं। इसलिए उन्होंने कोई आपत्ति किसी प्रकार की नहीं ली। लेकिन जब पेड़ की लंबी कटाई और पत्ते गाड़ी में भरकर ले जाने लगे तो मामला समझ में आया, लेकिन तब तक पेड़ काटने वाले अपने इरादों में कामयाब हो चुके थे। जानकारी अनुसार पेड़ की अवैध रूप से कटाई का यह मामला स्कीम नंबर 51 के एक सरकारी उद्यान का है। यहां एक हरे भरे पीपल के वृक्ष को दिनदहाड़े न सिर्फ छंटनी के नाम पर काटा गया बल्कि उसकी लकड़ी और पत्ते भी भरकर ले गए। लोगों का कहना है कि अच्छा खासा हरा भरा पेड़ काटा गया। पेड़ काटने वाले दिन दहाड़े ही करीब एक मिनी ट्रक लकड़ी और पत्ते भरकर ले गए। मामले में निगम के उद्यान विभाग के अधिकारियों से जब चर्चा की गई तो उन्होंने बताया कि न तो निगम अमले द्वारा इसी प्रकार की छंटनी की गई है और न ही निगम ने किसी व्यक्ति को इस प्रकार पेड़ काटने की अनुमति प्रदान की है। मामले में जांच की जाएगी।

पुलिसकर्मी काम के साथ-साथ अपनी सेहत का भी ख्याल रखें-डॉ . साहू

शिविर में 84 लोगो की थेरेपी कर चिकित्सा परामर्श दिया गया

इंदौर। पुलिसकर्मियों को अधिक भाग दौड़ का कार्य करना पडता हैं या कभी - कभी लगातार एक ही जगह पर खडे रहना भी पड़ता हैं। कभी कभी ऐसी स्थिति भी बन जाती हैं कि पुलिसकर्मियों को पानी भी उपलब्ध नहीं होता है। इस वजह से उनके शरीर में या तो तरलता की कमी हो जाती हैं या मांसपेशियों में खिंचाव होने से शारीरिक समस्याएं खड़ी हो जाती हैं। जैसे जोडो में दर्द, कमर दर्द, फ्रोजन शोल्डर, माइग्रेन आदि। इस स्थिति में हर पुलिसकर्मी को वर्ष में कम से कम दो बार अपनी बॉडी का चेकअप कराना चाहिए।

यह विचार वरिष्ठ फिजियोथेरिपिस्ट डॉ. महेश साहू के हैं जो उन्होंने विश्व फिजियोथेरिपी दिवस पर डीआरपी लाईन स्थित पुलिस हॉस्पिटल में आयोजित निशुल्क फिजयोथेरेपी शिविर में मुख्य वक्ता बतौर व्यक्त किए। आयोजन एसडीपीसी और आईआईएमएस की ओर से किया गया। डॉ. साहू ने कहा कि फिजियोथेरिपी एक ऐसी चिकित्सा हैं जिसके माध्यम से कई गंभीर बीमारियों के जोखिम को कम किया जा सकता हैं। वर्तमान में फिजियोथेरिपी का उपयोग सर्जरी से बचाव के लिए किया जा रहा हैं। अब इस चिकित्सा में नई तकनीकी और आधुनिक मशीनें आ गई हैं। जिसके माध्यम से लकवा, स्लिप डिस्क, गठिया, नींद नहीं आना, वेरीकोज वेन का दबना आदि समस्याओ ओर बीमारी के बचाव में सहायक हैं। यहां तक कि यह चिकित्सा गर्भावस्था में भी महिलाओ के लिए मददगार हैं।इससे प्रसव में मदद मिलती है। फिजयोथेरिपी चिकित्सा पद्धति से शरीर में रक्त संचार ठीक से होता हैं। डॉ. साहू ने आगे कहा कि एक्सरसाइज नहीं करने से भी शरीर उर्जावान नहीं रहता हैं। स्वस्थ शरीर के लिए विटामिन डी, कैल्शियम,मेग्निशियम और जिंक ततव भी जरुरी हैं। यह ऐसी चिकित्सा है जिसमें न दर्द होता और न सर्जरी और न दवा की।

मीडिया प्रभारी प्रवीण जोशी ने बताया कि शिविर में 84 लोगों की फिजियोथेरिपी कर उनको चिकित्सा परामर्श किया गया। फिजियोथेरिपिस्ट डॉ. कृष्णा जलोदिया ने बताया कि पुलिसकर्मी समाज की सेवा के साथ अपने स्वास्थ्य का भी ध्यान रखें।

प्रकाशक, मुद्रक एवं स्वामी जयश्री जैन द्वारा अपनी दुनिया प्रिंटर्स 13, प्रेस कॉम्प्लेक्स ए.बी. रोड इंदौर से मुद्रित एवं 22, प्रेस काम्पलेक्स, प्रेस हाऊस, ए.बी. रोड इंदौर 452008 से प्रकाशित। प्रधान संपादक- डॉ. राजेश जैन, मो. 9425322301 (डाक पंजीयन MP/IDC/1462/2016-2019)